अध्याय 4. अर्धनारीश्वर

लेखक परिचय

*** लेखक-** रामधारी सिंह दिनकर
जन्म- 23 सितंबर 1908 ई.
जन्म स्थान- सिमरिया, वेगूसराय (विहार)
*** निधन-** 24 अप्रैल 1974 ई.
*** निधन स्थान-** चेन्नई (तमिलनाडु)
*** माता-** मनरूप देवी
पिता- रवि सिंह
पत्नी- श्यामवती देवी

शिक्षा -

-प्रारंभिक शिक्षा गाँव और उसके आस-पास में हुई थी।
-1928 में मैट्रिक, मोकामा घाट रेलवे हाई स्कूल से किये थे।
-1930 में इंटर, लंगट सिंह कॉलेज मुंगेर से किये थे।
-1932 में B.A. (इतिहास) पटना कॉलेज पटना से किये थे।

*** वृति -**

-एच.ई. स्कूल बरबीघा के प्रधानाध्यापक थे।
-सब-रजिस्ट्रार, सब-डायरेक्टर।
-जनसंपर्क विभाग एवं बिहार विद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर थे।
-भागलपुर विश्वविद्यालय में उपकुलपति थे।
-हिन्दी सलाहकार के रूप में भी कार्यरत थे।

*** साहित्यक अभिरूचि-**

1925 में 'छात्र सहोदर' में पहली कविता प्रकाशित हुई थी।
छात्र जीवन में अनेक रचनाएँ प्रकाशित किये जैसे कि देश (पटना), प्रकाश (बेगुसराय), प्रतिमा (कन्नौज)।
21 वर्ष की अवस्था में पहली कविता पुस्तक 'प्रणभंग'
प्रकाशित किये थे।

*** कृतियाँ प्रमुख काव्य कृतियाँ (कविता)**

(i) प्रणभंग-1929
(ii) रेणुका- 1935
(iii) हुंकार - 1938
(iv) रसवंती - 1940
(v) कुरुक्षेत्र- 1946
(vi) रश्मिरथी-1952
(vii) नीलकुसुम- 1954
(viii) उर्वशी-1961
(ix) परशुराम की प्रतीक्षा- 1963
(x) कोमलता और कवित्व 1964
(xi) हारे को हरिनाम- 1970 आदि।

*** प्रमुख गद्य कृतियाँ (कहानी या अन्य)**

(i) मिट्टी की ओर- 1946
(ii) अर्धनारीश्वर- 1952
(iii) संस्कृति के चार अध्याय- 1956
(iv) काव्य की भूमिका
(v) वट पीपल-1961
(vi) शुद्ध कविता की खोज- 1966
(vii) दिनकरंकी डायरी- 1973

*** पुरस्कार व सम्मान-**

(i) 'संस्कृति के चार अध्याय' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।
(ii) 'उर्वशी' पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।
(iii) राज्यसभा के सांसद हुए।
(iv) पदंभूषण एवं कई अलंकरणों से सम्मानित हुए थे।

Note:- रामधारी सिंह दिनकर को राष्ट्रकवि के रूप में जाना जाता हैं।

महत्वपूर्ण जानकारी

(1) दिनकर जी छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि हैं।
(2) दिनकर जी को राष्ट्रकवि भी कहा जाता है।
(3) दिनकर जी गद्यकार भी थे।
(4) दिनकर की कविता और गद्य दोनों में उनके "व्यक्तित्व की एक जैसी गहरी छाप है।"
(5) दिनकर जी भारतेंदु युग से प्रवहमान राष्ट्रीय भावधारा के एक महत्वपूर्ण आधुनिक कवि भी हैं।
(6) दिनकर जी कविता लेखन की शुरुआत 30 के दशक में शुरू किये थे।
(7) परंतु दिनकर जी की पहचान प्रमुख कवि के रूप में चौथे दशक में हुई थी।
(8) दिनकर जी "प्रबंध, मुक्तक, गीत-प्रगति काव्यनाटक" इत्यादि अनेक काव्य शैलियों में सफलतापूर्वक उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत की है।
(9) दिनकर जी जातीय महाकाव्य महाभारत और व्यास की कवित्व प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुए थे।

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

(10) यहाँ दिनकर की प्रसिद्ध निबंध अर्धनारीश्वर प्रस्तुत है, जो भगवान शिव और माता पार्वती की कल्पित रूप है।

पाठ का सारांश

अर्धनारीश्वर शीर्षक निबंध रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित है। अर्धनारीश्वर भगवान शिव और माता पार्वती का कल्पित रूप हैं, जिसका आधा अंग पुरुष और आधा खी की है। नर-नारी पूर्ण रूप से समान है। परन्तु आज पुरुष अपने अंदर की स्त्री को दबाता है और स्त्री अपने अंदर की पुरुष को दबाती है। नारी की पराधीनता तब आरंभ हुई जब मानव जाती ने कृषि का आविष्कार किया था। पुरुष स्त्री को केवल आनंद का खान समझता है। और आनंदित होने के बाद मुक्ति की खोज में अपनी स्त्री का त्याग कर देता है तब महवीर और भगवान बुद्ध उसे भिक्षुणी होने का अधिकार देते है अब नारी पुरुषों की बाधा नहीं बल्कि शक्ति का स्रोत है। प्रेमचन्द ने कहा है कि जब पुरुष नारी का गुण लेता हैं, तब वह देवता बन जाता है और स्त्री जब पुरुष का गुण लेती है तब राक्षसी बन जाती है। अतः नर और नारी एक ही द्रव की दली दो प्रतिमाएँ हैं। लेखक यहाँ तक कहते है की यदि कौरवों की सभा में संधि का वर्तालाप कृष्ण और दुर्योधन के बीच न होकर कुंती और गांधारी के बीच होता तो महाभारत का युद्ध रुक जाता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखें ।**[2012, 2013]**

नारी तो हम हूँ करी, तब ना किया विचार ।
जब जानी तब परिहरी, नारी महाविकर ।

उत्तरः प्रस्तुत पंक्ति अर्धनारीश्वर पाठ का है जो रामधारी सिंह दिनकर के द्वारा रचित है। इस पंक्ति में कबीरदास जी कहते हैं, हम भी बिना सोच नारी से विवाह किये थे, तब वह दुख हरन वाली लगी थी। लेकिन अब हमें वह भारी बोझ और परेशानी जैसी लगने लगी है।

2. अर्धनारीश्वर शीर्षक निबंध पाठ में रवीन्द्रनाथ, प्रसाद और प्रेमचंद के चिंतन से दिनकर क्यों असंतुष्ट है? **[2022]**

उत्तरः- रामधारी सिंह दिनकर "रवीन्द्रनाथ, प्रसाद और प्रेमचंद के विचारों से इसलिए असंतुष्ट है क्योंकि अर्धनारीश्वर शिव और पार्वती का कल्पित रूप हैं, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग स्त्री का है। जबकि रवीन्द्रनाथ कहते है-नारी की असली खूबी उसकी सुंदरता में है, तो वह शिक्षा लेकर क्या करेगी। प्रसाद जी कहते है स्त्री को पुरुषों के कामों से दूर रखना चाहिए। और प्रेमचंद जी कहते हैं- पुरुष जब नारी के गुण लेता है तो वह देवता बन जाते हैं, पर स्त्री पुरुष का गुण लेती है, तब वह राक्षसी बन जाती है।

सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्न

1. "प्रत्येक पत्नी अपने पति को बहुत कुछ उसी दृष्टि से देखती है जिस दृष्टि से लता अपने वृक्ष को देखती है।"

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित "अर्धनारीश्वर" शीर्षक निबंध से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि पत्नी अब पूर्ण रूप से अपने पति पर निर्भर करती है। कृषि काल में भी पुरुष अपनी पत्नी को फूलों सा आनंदमय भार समझता था। और अब प्रत्येक पनी भी अपने पति को बहुत कुछ उसी दृष्टि से देखती है जिस दृष्टि से लता अपने वृक्ष को देखती है।

2. 'जिस पुरुष में नारीत्व नहीं, अपूर्ण है। [2012,13,15,16,17,18, 23]

उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित "अर्धनारीश्वर" शीर्षक निबंध से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि पुरुष पुरुषार्थ के लिए जाना जाता है तो बी अपनी कोमल स्वभाव के लिए। परन्तु जिस पुरुष में नारी के गुण नहीं है, उसका जीवन अपूर्ण है। अतः पुरुष में नारी के गुण जरूर होना चाहिए।

4. "इसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियोचित गुणों को अपनाकर समाज में सौण कहलाने से घबराता है।" [2023]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित "अर्धनारीश्वर" शीर्षक निबंध से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि जिस प्रकार आज स्त्री पुरुष के गुण सीखने से कतराती है, ठीक उसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियोंचित

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

गुणों को अपनाकर समाज में बैण कहलाने से घबराता है।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. 'यदि संधि की वार्ता कुंती और गांधारी के बीच हुई होती, तो बहुत संभव था कि महाभारत न मचता। [2019]

उत्तर - कुंती और गांधारी स्वभाव से कोमल थीं, लेकिन पुरुष प्रधान समाज में उनकी बात नहीं सुनी गई। यदि महाभारत से पहले संधि की बातचीत उन दोनों के बीच होती, तो शायद युद्ध रुक जाता, क्योंकि त्रियाँ दया करती हैं और रक्तपात नहीं चाहतीं है।

3. प्रवृत्तिमार्ग और निवृतिमार्ग क्या हैं?

उत्तरः ये दोनों बौद्ध धर्म के मार्ग हैं प्रवृति मार्ग वाले भोग-विलास को जीवन का आधार बनाया। और निवृति मार्ग वाले नारियों की छाया से भी दूर भागते रहे।

4. बुद्ध ने आनंद से क्या कहा? [2020, 2024]

उत्तर- बुद्ध ने आनन्द से यह कहा की मेरा धर्म पाँच हजार वर्षों तक चलने वाला था परन्तु नारियों को भिक्षुणी बनाने के कारण अब केवल पाँच सौ वर्षों तक ही चलेगा।

5. नारी की पराधीनता कब से आरंभ हुई? [2013, 17, 18, 21, 22, 24]

उत्तर - नारी की पराधीनता कृषिकाल में आरंभ हुई। तभी से नारी घर में कैद हो गई। और पुरुष बाहर रहने लगा।

6. जिसे भी परुष अपना कर्मक्षेत्र मानता है, वह नारी का भी कर्मक्षेत्र है। कैसे? [2022]

उत्तरः- आज खी और पुरुष दोनों हीं एक समान हैं। आज जो काम पुरुष करता है, वह स्त्री भी करती है। सभी क्षेत्रों में दोनों एकसाथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे है। अतः दोनों का कर्म क्षेत्र एक है।

7. नारी और नर एक ही द्रव्य की डली दो प्रतिमाएँ है कैसे? [2021]

उत्तरः- प्रकृति ने पुरुष और श्री में कोई भेदभाव नहीं किया है। दोनों हर काम में बराबर हैं। बस रुप में थोड़ा अंतर है, पर दोनों का शरीर एक ही तत्वों से बना है। अतः नर और एक ही द्रव्य की वली दो प्रतिमाएँ है।

8. बुद्ध को नारियों को बौद्धधर्म में प्रवेश की अनुमति क्यों देना पड़ा? [2024]

उत्तर- बुद्ध ने महिलाओं को बौद्ध धर्म में आने की अनुमति इसलिए दी क्योंकि वे चाहते थे कि महिलाएँ भी मोक्ष पा सकें। लेकिन इसका असर यह हुआ कि जो बौद्धधर्म पाँच हजार साल तक चलने वाला था, वह अब केवल पाँच सौ वर्षों तक ही चलेगा।

9.स्त्रियोचित गुण क्या है? [2015, 2016]

उत्तरः - स्त्रियोचित गुण का अर्थ है स्त्री अपनी कोमल स्वभाव के लिए जानी जाती है वह पुरुषों के गुणों को सीखने से कतराती है, पर नर और नारी दोनों एक समान है।

11. पुरुष के गुण क्या हैं? [2017]

उत्तरः पुरुष पुरुषार्थ के लिए जाने जाते हैं। पुरुष भी स्त्रियोचित गुणों को अपनाकर समाज में बैण कहलाने से घबराता है।

12. पुरुष जब नारी के गुण लेता है तब वह क्या बन जाता है? [2013, 2012]

उत्तरः प्रेमचंद जी कहते हैं जब पुरुष नारी के गुण लेता है तब देवता बन जाता है, पर स्त्री जब पुरुष के गुण लेती है तब वह राक्षसी बन जाती है

वस्तुनिष्ट प्रश्नः -

1. अर्धनारीश्वर किसका कल्पित रूप है? (2020,24)

(A) शिव-पार्वती (B) विष्णु-लक्ष्मी
(C) इन्द्र और शची (D) किसी का नहीं

2. दिनकर जी का जन्म कहाँ हुआ था ?

(A) सिमरिया। (B) थिमरिया
(C) छिमरिया (D) क्यारिया

3. रामधारीसिंह 'दिनकर' का जन्म कब हुआ था ?

(A) 1923 **(B) 1908** (C) 1956 (D) 1964

4. दिनकर की मृत्यु कब हुई थी ?

(A) 1908 (B) 1946 (C) 1952 **(D) 1974**

5. दिनकर जी को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार उनकी किस कृति पर मिला था ?

(A) उर्वशी (B) दिनकर की डायरी
(C) अर्धनारीश्वर (D) मिट्टी की ओर

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

6. 'अर्धनारीश्वर' किसकी रचना है? **(BSEB, 2018)**
(A) दिनकर (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) मलयज (D) मोहन राकेश
7. कौन-से रचनाकार बिहार से सम्बन्धित हैं ?
(A) जगदीशचन्द्र माथुर। (B) मोहन राकेश
(C) रामधारी सिंह दिनकर (D) शमशेर बहादुर सिंह
8. रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचना है-
(A) अर्धनारीश्वर (B) रोज
(C) ओ सदानीरा (D) जूठन
9. किस रचना पर दिनकर को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ ?
(A) काव्य की भूमिका **(B)** संस्कृति के चार अध्याय
(C) रेणुका (D) रश्मिरथी
10. 'अर्धनारीश्वर' की विधा है- **(BSEB, 2022**
(A) कविता (B) नाटक
(C) निबन्ध (D) उपन्यास

11. गांधारी थी-
(A) दुर्योधन की माँ (B) कृष्ण की मौ
(C) अर्जुन की मौ (D) बलराम की माँ
12. 'संस्कृति के चार अध्याय' किसकी कृति है ?
(A) गुलाबराय (B) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) आचार्य सीताराम चतुर्वेदी। **(D)** रामधारीसिंह दिनकर
13. प्रेमचन्द की रचना है- **(BSEB, 2019)**
(A) शेखरः एक जीवनी। **(B)** पूस की रात
(C) सिपाही की मौ (D) मेरी वियतनाम यात्रा
14. युद्ध और शान्ति की समस्या पर लिखी गई काव्यकृति कौन-सी है?
(A) नील कुसुम **(B)** कुरुक्षेत्र
(C) द्वंद्वगीत (D) रश्मिरथी
15. दिनकर जी को निम्न में से कौन-सा पुरस्कार दिया गया था? **(BSEB, 2020)**
(A) पद्म श्री **(B)** पद्म भूषण
(C) पद्म विभूषण (D) पद्म
16. 'नारी और नर एक ही द्रव्य की ढली दो प्रतिमाएँ हैं।' किस रचनाकार की पंक्ति है? **(BSEB, 2023)**
(A) मलयज। (B) जयप्रकाश नारायण
(C) रामधारीसिंह दिनकर (D) भगत सिंह
17. 'अर्धनारीश्वर' शीर्षक पाठ के लेखक कौन हैं? **[2011A,**2018A, 2021A]
(A) रामचंद्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) मोहन राकेश

18. अर्धनारीश्वर कल्पित रूप है- **[2024A, 2020A]**
(A) राधा-कृष्ण का **(B)** शंकर और पार्वती का
(C) राम और सीता का (D) गणेश और लक्ष्मी का
19. ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित रचना है- **[2019A]**
(A) उर्वशी (B) रेणुका
(C) कुरुक्षेत्र (D) इनमें से कोई नहीं
20. रामधारी सिंह दिनकर किस विश्वविद्यालय में 'उपकुलपति' के पद पर रहे हैं? **[2023A]**
(A) भागलपुर विश्वविद्यालय (B) राँची विश्वविद्यालय
(C) पटना विश्वविद्यालय (D) पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय
21. 'अर्धनारीधर' शीर्षक निबंध में शंकर और पार्वती का किस प्रकार का रूप वर्णित है? **[2023A]**
(A) आदर्श। (B) यथार्थ
(C) कल्पित (D) वास्तविक

22. किस रचनाकार की पंक्तियाँ हैं? नारी स्वप्न है, नारी सुगंध है, नारी पुरुष की बाँह पर झूलती हुई, जूही की माला है। **[2019A]**
(A) प्रेमचन्द्रः (B) अज्ञेय
(C) मोहन राकेश (D) रामधारी सिंह 'दिनकर'
23. रामधारी सिंह दिनकर के पिता का क्या नाम था? **[2022A]**
(A) जय सिंह। **(B)** रवि सिंह
(C) राणा सिंह (D) फूल सिंह
24. निब्र में रामधारी सिंह दिनकर की रचना कौन है? **[2022A]**
(A) शिशुपाल वध। (B) नल दमयंती
(C) उर्वशी (D) रहस्य कथा
25. "नारी तो हम हूँ करी, तब न किया विचार। जानी तब परिहरी, नारी महाविकार" यह पंक्ति किस पाठ से है? **[2022A]**
(A) अर्धनारीश्वर। (B) शिक्षा
(C) सिपाही की माँ (D) तिरिछ
26. भागलपुर विश्वविद्यालय में 'उपकुलपति' पद पर निम्नलिखित में से कौन रहे हैं? **[2024A]**
(A) रामधारी सिंह 'दिनकर' (B) नामवर सिंह
(C) अशोक वाजपेयी (D) रघुवीर सहाय
27. 'पराधीनता के कारण नारी अपने अस्तित्व की अधिकारिणी नहीं रही।' यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है? [2024A]

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.